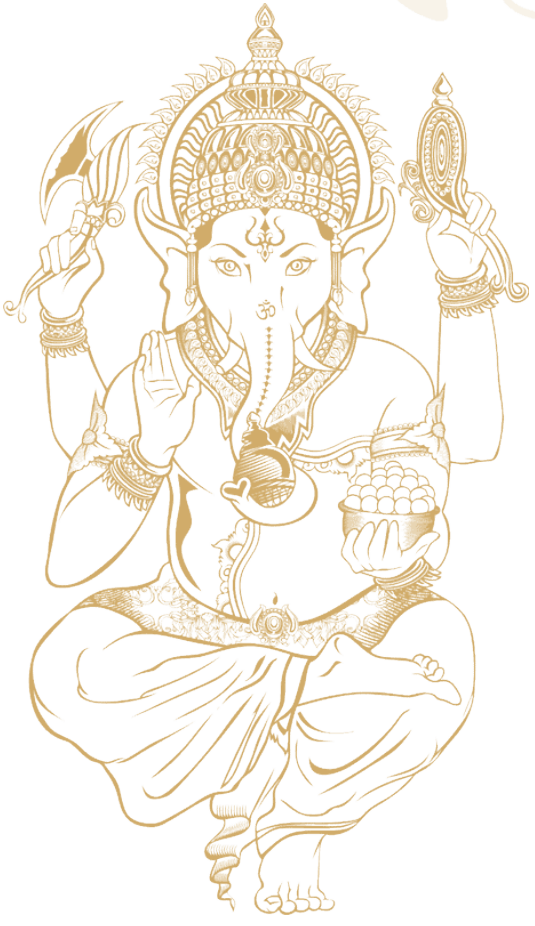

Mr. Utkarsh vaishnav

Ms. Sheetal bairagi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119921502

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/06/2001	जन्म तिथि	14/10/2005
मंगलवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 08:05:00	जन्म समय	14:20:00 घंटे
घटी 05:57:16	जन्म समय(घटी)	19:53:08 घटी
India	देश	India
Indore	स्थान	Indore
22:42:00 उत्तर	अक्षांश	22:42:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व	रेखांश	75:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24	स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:42:05	सूर्योदय	06:22:44
19:13:20	सूर्यास्त	18:01:53
23:52:22	चित्रपक्षीय अयनांश	23:56:12

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 3वर्ष 3मा 23दि	04:58:49	कर्क	लग्न	मक	17:29:48	राहु 6वर्ष 9मा 3दि	
राहु	04:01:01	मिथु	सूर्य	कन्या	27:10:25	गुरु	
12/10/2021	02:37:57	वृष	चंद्र	कुंभ	14:59:36	18/07/2012	
13/10/2039	27:08:43	वृश्चि व	मंगल व	मेष	28:16:59	18/07/2028	
राहु 24/06/2024	00:10:23	मिथु व	बुध	तुला	14:33:14	गुरु	05/09/2014
गुरु 18/11/2026	00:41:53	मिथु	गुरु	तुला	03:30:26	शनि	18/03/2017
शनि 24/09/2029	18:37:30	मेष	शुक्र	वृश्चि	13:02:12	बुध	24/06/2019
बुध 12/04/2032	13:37:47	वृष	शनि	कर्क	15:59:58	केतु	30/05/2020
केतु 01/05/2033	12:30:04	मिथु व	राहु	मीन	19:42:29	शुक्र	29/01/2023
शुक्र 30/04/2036	12:30:04	धनु व	केतु	कन्या	19:42:29	सूर्य	17/11/2023
सूर्य 25/03/2037	00:47:56	कुंभ व	हर्ष व	कुंभ	13:20:12	चन्द्र	18/03/2025
चन्द्र 24/09/2038	14:30:53	मक व	नेप व	मक	20:55:27	मंगल	22/02/2026
मंगल 13/10/2039	19:39:37	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	28:21:16	राहु	18/07/2028

लग्न-चलित

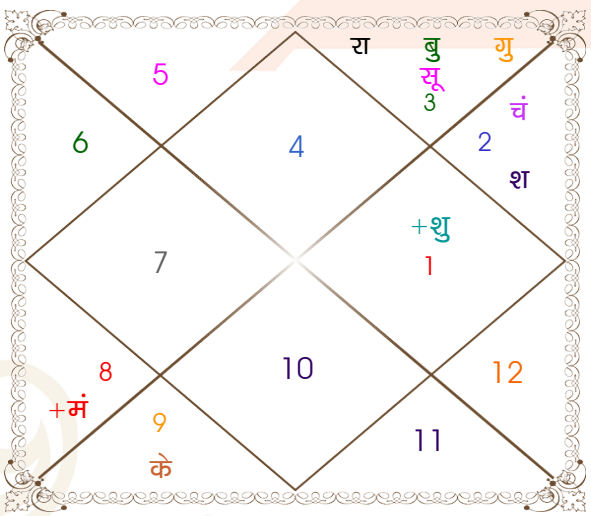

लग्न-चलित

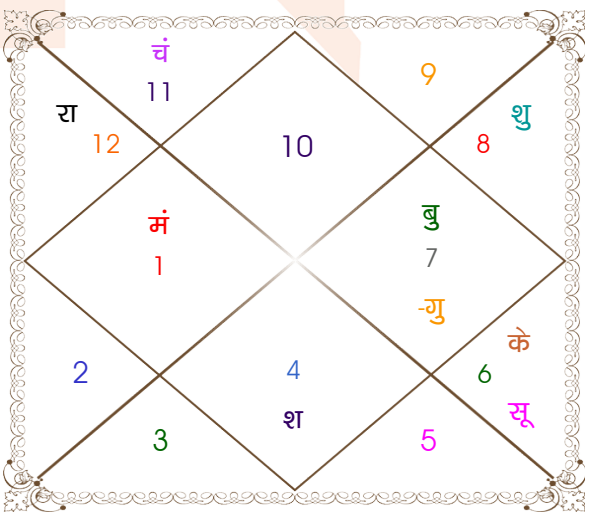

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	अश्व	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	32.50		

डतण न्जांती अंपीदंअ का वर्ग गरूड़ है तथा डेण्ैमममजंस इंपतंहप का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण न्जांती अंपीदंअ और डेण्ैमममजंस इंपतंहप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण न्जांती अंपीदंअ मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

डेण्ैमममजंस इंपतंहप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतु: सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण्ैमममजंस इंपतंहप कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण्ैमममजंस इंपतंहप कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डतप न्जांतेी अंपेीदंअ कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतप न्जांतेी अंपेीदंअ तथा डेण्ैममजंस इंपतंहप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।